शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

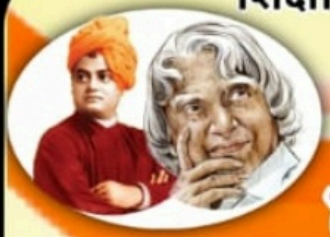

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनांक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

1201 से 1300 तक

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 17-12-2020

1201

दिन- गुरुवार

घर चाहे छोटा हो या बड़ा,
खुशियाँ लाए अपार।
मिलकर सब रहते हैं यहाँ,
कहलाता परिवार।।

कम, ज्यादा संख्या वाले,
परिवार के दो प्रकार।
एकल मतलब छोटा,
संयुक्त मतलब बड़ा परिवार।।

परिवार

केवल माता और पिता,
बेटी संग बेटा हो।
एकल या छोटा कहलाता,
ना दादा, ना पोता हो।।

माता-पिता, दादी-दादा संग,
ताऊ-चाचा सह परिवार।
सब के बच्चे मिलकर रहते,
कहलाता संयुक्त परिवार।।

हेमलता गुप्ता
(स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/12/2020

1202

दिन- गुरुवार

जंगल

झूमे वृक्ष चले हवा मतवाली,
चहँके पक्षी, करते रखवाली।
बिन जंगल बरसे नहीं पानी,
सबके जीवन में हो परेशानी।।

आओ बच्चों साथ निभाएँ,
अपनी-अपनी बात बताएँ।
सभी प्रकृति में घुल-मिल जाएँ,
कटे न जंगल चलो बचाएँ।।

हँसकर वृक्ष बुलाते हमको,
हँसते रहो सिखाते सबको।
मोर नृत्य करके कुछ कहता,
कोयल गाए गीत रस बहता।।

अब तो जंगल में है न मंगल,
कटते दिन-प्रतिदिन हैं जंगल।
जंगल में मंगल तब होगा,
जंगल कहीं बचा जब होगा।।

रचना

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/12/2020
1203
दिन- गुरूवार

अनोखे पक्षी

चिड़िया रानी, चिड़िया रानी,
कहो तो कहो, क्या है कहानी?
सबको इतनी क्यों है हैरानी,
बताओ न जरा अपनी कहानी।।

कोयल बोलती मीठी बोली,
कोयल करती कू-कू भोली।
काली-काली होती कोयल,
मीठी बोली बोलती कोयल।।

टें-टें करता तोता राम,
फल खाना उसका काम।
हरी डाल पर उसका धाम,
खा-पीकर करता आराम।।

उल्लू दिन में देख न पाए,
लेकिन रात को मौज उड़ाए।
उल्लू जागता है रात में,
लेकिन सोता है दिन में।।

रचना-
नीरज (छात्र), कक्षा-3
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 17-12-2020
1204
दिन- गुरुवार

स्वच्छ भारत

स्वच्छ रहे यह देश हमारा,
लगे जहाँ में सबसे न्यारा।
मिलजुल कर हम करें सफाई,
इसी में सबकी है भलाई।।

कूड़ा-कचरा ना सड़क पर डालो,
बीमारी को तुम ना पालो।
मिलजुल कर हम सब पेड़ लगाएँ,
पर्यावरण को हरा-भरा बनाएँ।।

जगमग-जगमग सड़कें चमकें,
देश हमारा दुनिया में दमके।
आओ! मिलकर कसम ये खाएँ,
स्वच्छता को सब अपनाएँ।।

आओ! मिलकर सब एक हो जाएँ,
अपने भारत को स्वच्छ बनाएँ।
सब मिलकर करो यह इरादा,
स्वच्छ रहे ये देश हमारा।।

रचना
सावित्री जोशी (स०अ०)
रा० प्रा० वि० पल्लीगाड
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 17/12/2020

1205

दिन- गुरुवार

मेरा रुद्रप्रयाग

चाँदी सी श्वेत बर्फीली चोटियाँ,
गहरी घाटियाँ, खूबसूरत वादियाँ।
ऊँचे-ऊँचे पर्वत, धवल झरने,
सबके मन को लगते हरने।।

नन्दी कुण्ड, चन्द्रशिला,
मनोहर चोपता बुग्याल।
सुन्दर लगते पावन लगते,
हरे-भरे वन सुरम्य ताल।।

बुग्याल, धार अरू सुन्दर ताल,
देवरिया, बधाणी, बासुकि ताल।
पाण्डव सेरा, मनणी धाम,
ऊँचे खाल, हरे-भरे बुग्याल।।

असंख्य जड़ी बूटियों की खान,
संस्कृति जहाँ की देव समान।
शीतल जलवायु हरे-भरे खलिहान,
यहाँ थकावट को मिलता अद्भुत विराम।।

रचना

माधव सिंह नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली,
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 18/12/2020

1206

दिन- शुक्रवार

सब्जियों की सभा

सब्जियों में हुई लड़ाई,
कौन है पौष्टिक बता दो भाई?
आलू, गाजर ने सभा बुलायी,
गाजर बोली मैं हूँ नयनों को सुखदायी।।

पालक बोला, मुझको खाकर,
जग में सबने है सेहत बनायी।
करेला बोला, मैं हूँ अलबेला,
मुझे खाकर मधुमेह से दूरी बनायी।।

बैंगन बोला, मेरे सर पर है ताज,
मैं तो हूँ आयरन में सरताज।
मैंथी बोली, मैं हूँ हरी मनभरी,
स्वाद और सेहत से सदा भरी।।

तोरई-लौकी ने यूँ बात बढ़ायी,
हमसे भागे उच्च-रक्तचाप मेरे भाई।
आलू जी ने जो सभा बुलायी,
सबने अपनी उपयोगिता सुनायी।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-18/12/2020

1207

दिन- शुक्रवार

शिक्षित बनो'

शिक्षा है तो ही जीवन है,
यही घर का उपवन है।
शिक्षित बनो हो सफल,
जरुर मिलेगा अच्छा फल।।

किताबें है सबका आधार,
इनसे ही है अपना संसार।
किताबें हैं दोस्त हमारी,
रखतीं बहुत सी जानकारी।।

अच्छी नीति है ईमानदारी,
सच्चाई है सबको प्यारी,
तुम भी अच्छी राह चलो,
बनकर सुंदर फूल खिलो।।

पढ़ो-लिखो बनो नवाब,
कर लो अपने पूरे ख्वाब।
ना करना कभी भी आलस,
ना ही करना तुम लालच।।

रचना

भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 18/12/2020
1208
दिन- शुक्रवार

गैया मैया

गैया मैया-गैया मैया,
लगती हो कितनी न्यारी।
चार पैर हैं सुन्दर-सुन्दर,
आँखें दो प्यारी-प्यारी।।

काली, गोरी, भूरी, श्यामा,
नाम तुम्हीं पर जँचते हैं।
लम्बी लम्बी पूँछ तुम्हारी,
सिर पर सींग सजते हैं।।

दूध हैं पीते, घी हैं बनाते,
और मिठाई खूब बनाते।
बछड़ों से हम खेत जोतते,
गोबर के उपले बनाते।।

दूध हमें मीठा देती हो,
इतना सब कुछ देती हो।
बदले में कुछ ना लेती हो,
तभी तो माँ कहलाती हो।।

रचना:
तुलसीराव (पूर्णकालिक शिक्षिका)
के०जी०बी०वी० गंगीरी
जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1209
दिनाँक- 18.12.2020
दिन- शुक्रवार

समाज

वह समाज उन्नति करे,
जिसमे सहयोग की भावना।
सबके हित की बात हो,
सब की मंगल कामना।।

इन्सान की इन्सानियत,
यही एक मात्र पहचान।
राष्ट्र धर्म सर्वोपरि,
सब धर्मों का सम्मान।।

न मन में ईर्ष्या हो,
न मन में हिंसा अभिमान।
सुदृढ़, समृद्ध राष्ट्र का,
करें मिलकर निर्माण।।

सत्य, अहिंसा, मानवता का,
बाँटे हम सब ज्ञान।
बेटा और बेटी को समझें हम समान,
युवाशक्ति को मिले राष्ट्र की कमान।।

रचना -
प्रकाश बड़वाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मुसाढूंग
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 18.12.2020
1210
दिन- शुक्रवार

माँ

गोद है तेरी सबसे न्यारी,
लगती हो माँ सबसे प्यारी।
दुःख में रोऊँ गोदी में तेरी,
भूलूँ दुःख की बातें सारी।।

मन करता है कभी न छोड़ूँ,
राह अपनी हर तेरी ओर मोड़ूँ।
रीत जगत की निभाने में माँ,
तेरा साथ बुझे हृदय से कैसे छोड़ूँ।।

जहाँ में प्यार न मिलता तेरे जैसा,
वो आँचल कहाँ से ढूँढूँ माँ।
दिन कटता है रोते दुःख से,
रात को सदा तुझको खोजूँ माँ।

प्यार की तेरी थपकी सदा सुलाती,
गुस्से की झिड़की सदा रुलाती।
तेरी बातें सदा मिश्री सी घुलती,
माँ तू हृदय के एक कोने में बसती।

रचना-
बीना वशिष्ठ (प्र०अ०)
रा० प्रा० विद्यालय खाल
पोखर, चमोली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1211
दिनाँक- 19/12/2020
दिन- शनिवार

भूमि पुत्र किसान

हे! भूमिपुत्र तुमको,
कोटि-कोटी नमन हमारा।
विष्णु धरा के पालक,
तुमसे जग जीवन है सारा।।

खेतों की हरियाली तुमसे,
इस जग की खुशहाली तुमसे।
तुम ही तो हो इस देश के लाल,
है ओणम, है होली हर त्योहार तुमसे।।

तुमने खून से लथपथ हो,
इस धरती को सींचा है।
तपते पाँव के छालों को,
तुमने तनिक न देखा है?

अपने घर में तुम भी मनाओ,
अमीरों जैसी होली और दीवाली।
हो जाए गरीब के लिए सस्ती,
स्वास्थ्य, शिक्षा और भोजन की थाली।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1212
दिनाँक- 19/12/2020
दिन- शनिवार

तितली रानी

तितली रानी सबको भाती,
इधर से उड़ती उधर को जाती
कलियों के पर मंडराती,
फूलों-फूलों पर इठलाती ।।

नीली, पीली, भूरी, काली,
चटक, सुनहरे पंखों वाली।
सुन्दर, न्यारी और चमकीली,
भाँति-भाँति की रंग-रँगीली।।

हवा से बातें करती जाती,
गली-गली की सैर कर आती।
बाग-बगीचों में इतराती,
हाथ लगे तो झट उड़ जाती।

बिना थके ही उड़ती जाती,
जब तक मंजिल न पा जाती।
हमें भी सीख नित नयी दे जाती,
निरन्तर कोशिशें लक्ष्य प्राप्त करातीं।।

रचना- सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 19-12-2020 1213 दिन- शनिवार

सब्जी मण्डी

सब्जियों का राजा आलू,
सबके संग में रहता है।
गोभी, गाजर या हो बैंगन,
साथ में मिलकर पकता है।।

लौकी, तोरई, कद्दू, भिण्डी
नहीं मन को भाती है।
पर दादा, दादी के लिए,
रोज़ घर में आती है।।

प्याज़, टमाटर और लहसुन से,
बनता सब्जी का स्वाद है।
अदरक, मिर्ची और हरा धनियाँ पड़ने से,
बनती सब्जी वाह! क्या बात है।।

मैथी, पालक, सरसों, बथुआ,
से मिलकर, बनता सर्दी में साग है।
सर्दियों की सब्जी की,
कुछ अलग सी बात है।।

रचना
रेनू मित्तल (अनुदेशक)
पू० मा० वि० धौर्रा माफी
जवां, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 19/12/2020

1214

दिन- शनिवार

पानी

प्यास लगे तो पिएँ पानी,
नहाने धोने में भी पानी।
पौधों में हम डालें पानी,
कुत्ता-बिल्ली माँगें पानी।।

बिन पानी हम जी न पाएँ,
क्यों पानी हम व्यर्थ बहाएँ।
नल में खुला न छोड़ें पानी,
टप-टप-टप-टप बहता पानी।।

बिना पानी जीवन सुना,
सूना सारा संसार है।
पानी बिना जीवन अधूरा,
इसको बचाना काम हमारा।।

पानी को तुम खूब बचाओ,
काम पड़े तब इसे बहाओ।
पानी तुम हमेशा साफ करो,
तब तुम अपना काम करो।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-भानु प्रताप (छात्र)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 19.12.2020
1215
दिन- शनिवार

बेटी घर की शान

बेटी घर की शान है,
बेटी घर का मान है।
बेटी घर की जान है,
वो घर का सम्मान है।।

आज उसी घर आँगन को छोड़ गयी,
किसी और के सपनों का हिस्सा बन गयी।
कल तक थी अपने माँ बाप की बेटी,
आज वो किसी और की बहु बन गयी।।

वो प्यार-दुलार वो हँसी,
सब खो जाती है।
बेटी घर से विदा ले,
किसी और घर चली जाती है।।

जिस घर में बीता बचपन,
जहाँ सजाए सपने।
दु:ख का कभी अहसास न हुआ,
वहाँ थे सब अपने।।

रचना-
कु० हिमांशी देवली (छात्रा)
कक्षा- 8
रा० क० उ० प्रा० वि० सिदोली
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 19.12.2020
1216
दिन- शनिवार

माँ

तुम प्रेम की गंगा हो माँ,
ज्ञान का हो दर्पण।
मैं भावों की चन्द पंक्तियाँ,
करती हूँ तुमको अर्पण।

आँचल की छाँव आपकी,
हो जैसे अम्बर विस्तार।
सच्चा और निश्छल इस जग में,
है माँ तुम्हारा प्यार।

तुम्हारी मीठी मुस्कान में माता,
है चन्दन सी शीतलता,
माँ तुम्हारे चरणों में जग का,
हर सुख है मिलता।

इस जमीन पर यदि जन्नत है,
तो वह जन्नत है माँ,
सभी प्रतिमाओं से खूबसूरत,
है तो वह प्रतिमा है माँ।

रचना -
पुष्पा बहुगुणा (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पिपोला
वि०ख० - जाखणीधार,
टिहरी गढ़वाल।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1217
दिनाँक- 21/12/2020
दिन- सोमवार

आत्म बल

अँधेरा हो जब भी चहुँ ओर,
भ्रमों से भटके मन की कोर।
जलाना होगा फिर कोई दीप,
दिखेगा तुमको पथ का छोर।।

कभी तम से मत जाना हार,
नहीं हो भय का तनिक विचार।
आत्म का सम्बल रहे अपार,
मिलेगा निश्चित जय का द्वार।।

पथिक पथ पर चलना नित्य,
अनावृत करने जीवन सत्य।
नहीं सुनना मिथ्या होता शोर,
बढ़ो संकल्पित भाव-विभोर।।

लिखो जय की गाथा तुम एक,
यहाँ हैं वीरोचित दृष्टान्त अनेक।
अरे! तुम मानव हो नहीं कमजोर,
सफलता आएगी तुम्हारी ओर।।

रचना- सतीश चन्द्र (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1218

दिनाँक- 21/12/2020

दिन-सोमवार

Honey Bee

Honey bee, honey bee,
Where is the honey.
Honey bee, honey bee,
The day is sunny.

Little girl, little girl,
Give me some money.
Little girl, little girl,
You are so funny.

Honey bee, honey bee,
I want some wax.
Honey bee, honey bee,
My heels have cracks.

Lilttle girl, little girl,
The wax is here.
Little girl, little girl,
Do take some care.

Written by
Farah Haroon H. T.
P. S. Madhiya Bhansi
Salarpur, Budaun

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 21/12/2020 **1219** दिन- सोमवार

सीख

बढ़ते रहो हाथी की तरह,
कद को मत देखो अपना।
हिम्मत ना हारो कभी भी,
सच कर लो जो देखा सपना।

चींटी की तरह कर लो मेहनत,
घड़ी नहीं वह देखा करती।
कर्म ही अपनी पूजा है,
दिन-रात आगे बढ़ती रहती।।

बगुला जैसे ध्यान लगाओ,
एक टाँग पर खड़ा भी रहता।
पल में शिकार बने निवाला,
गर्मी, जाड़ा, बरसात भी सहता।।

पेड़ों से तुम सीखो बच्चों,
निस्वार्थ सब की सेवा करना।
छाया, फल, लकड़ी हवा दें।
आँधी, तूफान, ठण्ड भी सहना।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० बझेड़ा
चंडौस, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1220

दिनाँक- 21/12/2020

दिन- सोमवार

हाथी

हाथी होता है मतवाला,
विशालकाय और समझ वाला।
शाकाहारी होता है यह,
सब जीवों में बड़ा निराला।।

बड़े कान होते हैं सूप से,
एक लम्बी सूँड है इसकी।
चार पैर थम के समान हैं,
एक पूँछ भी होती इसकी।।

उदर बड़ा विशाल है इसका,
दो लम्बे दाँत है रखता।
शाही सवारी राजाओं की,
मस्त चाल है यह चलता।।

गन्ना इसका प्रिय भोजन है,
बड़ा सरल इसका जीवन है।
बच्चों को बहुत प्रिय होता,
अभ्यारण्यों में इसका संरक्षण है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 21/12/2020
1221
दिन- सोमवार

नैनीताल जिला

सब जिलों में प्यारा है,
नैनीताल हमारा न्यारा है।
ऊँची-ऊँची पर्वत श्रृंखला,
तालाबों का बसेरा है।।

सुन्दरता है इसकी अप्रतिम,
सैलानी और सब प्रियजन।
सौन्दर्य निहारने आते हैं,
मधुर स्मृतियाँ लेकर जाते हैं।।

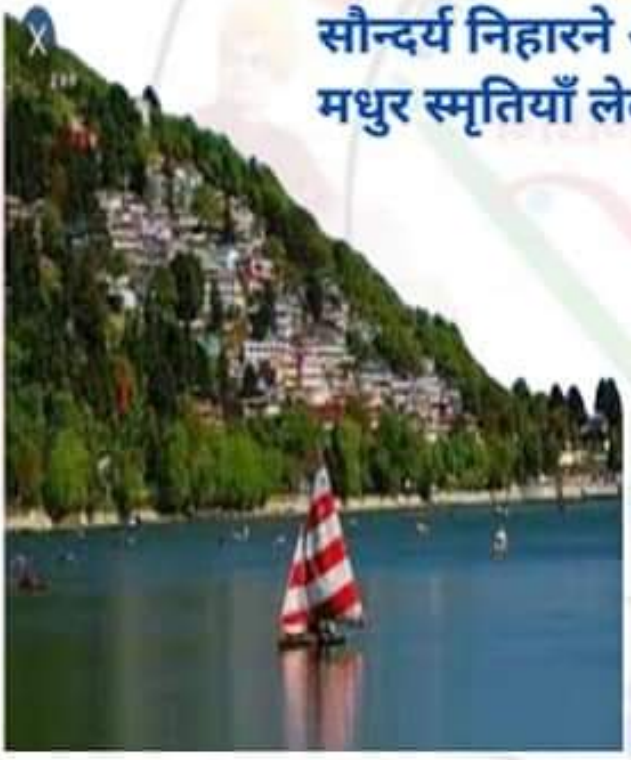

सौभाग्य हमारा है यही,
जन्म लिया है हमने यहीं।
प्रभु! से विनती है हमारी,
हर बार जन्म लें यहीं।।

उत्तराखण्ड की शान है,
दुनिया में इसकी पहचान है।
लोग यहाँ के सीधे-सादे,
घर-घर देव जहाँ पूजे जाते।।

रचना- सरिता त्रिपाठी
(स०अ०)
रा० प्रा० वि० तल्लीताल,
ब्लॉक - नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-21.12.2020

1222

दिन- सोमवार

पेड़ बचाएँ, पेड़ लगाएँ

पर्यावरण संरक्षण करती,
हरे पेड़ो की डाली-डाली।
हँसते हुए तब दिखती है,
जब बागों में हो हरियाली।।

ताजी हवा मिले फूल-फल पानी,
संचित कर रखें बचाएँ जैसे माली।
एक पेड़ कटे तो बदले में दस लगाना,
इनकी रक्षा कर बच्चों जैसा पालना।।

बिना पेड़ जीवन अकल्पित,
संसार में हलचल इनसे ही।
विशाल या लघु जीव हो कोई,
बिना पेड़ के कोई प्राण नहीं।।

हरे-भरे हो वन जंगल और धरती,
फल-फूलों से जीवनदान ये करती।
न काटना इन्हें ये सदा संगी हमारे,
ये दें बर्तन, कागज, खिड़की, दरवाजे।।

संकल्प करें इनको हम सदा सँजोएँगे।
इनकी रक्षा करें और हमेशा पेड़ लगाएँगे।।

रचना-
हेमलता बहुगुणा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० सुरसिंगधार,
चम्बा (टिहरी गढ़वाल)

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1223

दिनाँक- 22.12.2020

दिन- मंगलवार

पोषक तत्व

ये जो भोजन हैं खाते सब लोग,
पाते ऊर्जा इसी से सब लोग।
ये तन को है ताकत देता,
ये जल भी ऊर्जा देता।।

सबसे पहले चावल, आलू,
की हम करते बात।
कार्बोहाइड्रेट के सब दाता,
हो शकरकन्द, या भात।।

ताजी सब्जी और फलों से,
मिलते विटामिन न्यारे।
खनिज-लवण भी देते मिलकर,
दूध के संग में सारे।।

दालों से हमें प्रोटीन मिले,
चना, अरहर, मूँग, मसूर।
घी, मक्खन, और मूँगफली,
से मिलती वसा भरपूर।।

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू०मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 22/12/2020
1224
दिन- मंगलवार

मेरी नानी

जब मैं नानी के घर जाती,
रिश्ते-नाते खूब निभाती।
बहुत याद आती है नानी,
भजन सुनाकर हमें जगाती।।

किस्से, कहानी खूब सुनाती,
रूठ जाऊँ तो मुझे मनाती।
दूध, मलाई खूब खिलाती,
लोरी गाकर हमें सुलाती।।

दूर-दूर की सैर कराती,
हरियाली का महत्व बताती।
मेरी उलझन को सुलझाती,
गूढ़ प्रश्न को सरल बनाती।।

अपनी गोद में मुझे बिठाती,
अच्छी बातें हमें सिखाती।
समय न करना तुम बर्बाद,
समय की कीमत मुझे बताती।।

अनुपमा जैन,(स०अ०)
पूर्व० मा० वि०, मौहकमपुर
वि०ख० इगलास,
जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 22/12/2020

1225

दिन- मंगलवार

एक नन्हा मेहमान

एक नन्हा-मुन्ना मेहमान,
होता हर घर का अरमान।
जिससे मिलती हर माँ को पहचान,
बचपन को मिलता खुला आसमान।।

एक नन्हा-मुन्ना मेहमान,
होता हर घर का अरमान।
जिसके आने से बढ़ जाता,
हर रिश्ते का बड़ा सम्मान।।

जिसके आने से ही हर,
रिश्ते में पड़ जाती है जान।
एक नन्हा-मुन्ना सा मेहमान,
बन जाता है हर घर की शान।।

खुशियों से आँगन भर जाता है,
उसकी प्यारी सी एक मुस्कान से।
कुटुम्बजनों का बचपन लौट आता है,
एक नन्हे-मुन्ने मेहमान से।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-22/12/2020

1226

दिन-मंगलवार

प्यारा गणित

गणित है बड़ा महान,
सबको देता अंकों का ज्ञान।
बढ़ता है तो, आरोही क्रम,
घटता है तो, अवरोही क्रम।।

जोड़-घटाना सिखलाता गणित,
गुणा-भाग का मान बताता गणित।
जीरो को हीरो बनाता गणित,
छोटी-बड़ी संख्याएँ बताता गणित।।

'ऐकिक नियम' एक आधारित,
मूल्य ज्ञात करने पर निर्धारित।
वस्तु को खरीदना 'क्रय मूल्य' कहलाए,
वस्तु को बेचना 'विक्रय मूल्य' कहलाए।।

ज्यामिति में कोण बताए गणित,
कोणों को आगे बढ़ाए गणित।
गणित है बड़ा महान,
सबको देता अंकों का ज्ञान।।

रचना-
शशी (पूर्व छात्रा)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 22.12.2020
1227
दिन- मंगलवार

खुशियाँ

मन अब झूम-झूमकर गा रहा है,
अब क्रिसमस का दिन भी आ रहा है।
मिलेंगे अब बहुत सारे उपहार,
बच्चों! तुम भी अब रहो तैयार।।

मम्मी, पापा का अब कहना मानो,
कैसे साफ-सुथरा रहना है ये भी जानो।
हाथों को कई-कई बार धोना है,
ना बार-बार किसी और को छूना है।।

तभी देंगे ईशु तुम को उपहार,
कहना मानोगे जब लगातार।
रुको, रुको और कुछ सुनकर जाओ,
ईशु से एक प्रार्थना भी करके जाओ।।

हे ईशु! अब करो,
एक ऐसा चमत्कार।
आने वाला नया साल,
लाए खुशियाँ और बहार।।

रचना :-
मीना गोस्वामी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० भौड़ी
मूनाकोट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 22-12-2020
1228
दिन- मंगलवार

उत्तराखंड हमारा

कितना सुन्दर कैसा प्यारा,
उत्तराखण्ड राज्य हमारा।
हिम से आच्छादित,
ऊँची-नीची पर्वत मालाएँ।।

गंगा-यमुना यहाँ हैं बहती,
बहती नदियों की धाराएँ।
चार धाम यहाँ के सुन्दर,
फूलों की घाटी झरने निर्मल।।

एक मण्ड़ल में जिले सात,
एक में छः जिलों की बात।
गढ़वाल मण्डल गढ़देश,
कुमाऊँ मण्डल कूर्म विशेष।।

फ्यूँली, अपनी सुन्दर पीली,
शुभ सन्देश, आशीष देती।
इस राज्य के दो मण्डल,
दोनों की छवि अति सुन्दर।।

झरनों की छटा सुन्दर प्यारी,
नन्दा राज जात है न्यारी।
ऋषि-मुनि तप यहाँ करते,
देव भूमि इसे हैं कहते।।

रचना-
हेमलता बहुगुणा (प्र०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० सुरसिंगधार
चम्बा, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1229
दिनाँक- 23/12/2020
दिन- बुधवार

आशाओं की पतवार

युग चलन के टकराव में हूँ,
नदी के विरुद्ध बहाव में हूँ।
हिम्मत बनेगी पतवार मेरी,
मैं उस उम्मीद की नाव में हूँ।।

कर-कर के प्रयास बार-बार,
हो जाएगी हर भंवर पार।
आशाओं की बनाकर पतवार,
पानी है मंजिल हर एक बार।।

मिलता नहीं सुख भाग्य भरोसे,
कर्मशील जीते कर्म भरोसे।
अब की जो ठान रण की यार,
जाएँ न खाली कोई भी वार।।

वक्त जब लेगा करवट इस बार,
मेहनत लाएगी रंग हर बार।
हिम्मत ना हार प्रण कर इक बार,
तब ही होगी तेरी जय-जय कार।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1230
दिनाँक- 23/12/2020
दिन- बुधवार

मेरी प्यारी माँ

माँ तू है मेरा सारा संसार,
तुझसे हैं मेरी खुशियाँ अपार।
कितनी सुन्दर तू लगती मुझे माँ,
मेरी हर हठ को करती है क्षमा।।

माँ तू जननी मेरी भाग्य विधाता,
तेरा रूप ईश्वर का ध्यान कराता।
पाती-पाती और कण-कण में,
तू है मेरे जीवन के हर क्षण में।।

मुझे हमेशा पलकों पे बिठाती,
जो रूठूँ मैं मुझे बार-बार मनाती।
मेरे सिर पर रहता सदा तेरा हाथ,
तेरी दुवाओं से देखूँ प्रतिदिन का प्रभात।।

तू है जैसे सीपी मैं हूँ मोती,
मेरे जीवन को तू ही संजोती।
सुख दे मुझे तेरे आँचल की छाँव,
स्वर्ग है वहाँ, जहाँ पड़ें तेरे पाँव।।

रचना
रश्मि शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 23-12-2020

1231

दिन- बुधवार

आओ बच्चों

खिले-खिले हों तन-मन अपने,
आओ कुछ ऐसा कर पाएँ।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें, नाचें-गाएँ।।

खेल-खेल में प्यारे बच्चों,
गतिविधियों के साथ पढ़ें हम।
नाम अमर हो जग में अपना,
ऐसा कुछ इतिहास गढ़ें हम।।

फूलों से कुछ बातें कर लें,
और तितली के रंग चुराएँ।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें नाचें-गाएँ।।

चमकें मम्मी की बिंदी से,
पापा के पैसे से दमकें।
घर की क्यारी में उग आये,
इन फूलों के जैसे महकें।।

दादी के चश्मे में झाकें,
दादा की लाठी बन जाएँ।
बाग-बगीचों में जाकर हम,
खुल कर खेलें नाचें-गाएँ।।

रचना:-
प्रदीप कुमार चौहान (प्र०अ०)
प्रा० वि०- कलाई
धनीपुर, अलीगढ

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1232

दिनाँक- 23.12.2020

दिन- बुधवार

नैनीताल

देवों की धरती में बसा,
खूबसूरती का इनाम है।
खुशियाँ जहाँ नैनों से छलके,
नैनीताल ऐसा धाम है।।

खामोश बैठी इन वादियों,
की छटा निराली है।
फूलों की घाटी हो या मुक्तेश्वर की,
सुकून भरी दुनिया प्यारी है।।

इत्र क्या छिड़कना बातों का,
कभी नैनीताल देखने आइए।
सर्द मौसम गिरती बर्फ में,
चाय पकोड़े का आनन्द उठाइए।।

खामोश बैठी इन वादियों,
की छटा निराली है।
फूलों की घाटी हो या मुक्तेश्वर की,
सुकून भरी दुनिया प्यारी है।।

रचना-
पुष्पा सुयाल (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० शशबनी
धारी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1233
दिनाँक- 23.12.2020
दिन- मंगलवार

क्रिसमस-डे

इतनी ठण्डी रात में,
कोई मसीहा आया है।
जिसने सारी सर्दी को,
अपनी पोटली में समाया है।।

आशा और विश्वास ही उसे,
सेंटा-संत बनाते हैं।
इसीलिए तो ऋषि मुनि को,
हम भी महात्मा कहते हैं।।

उपहार वृक्ष लगाते हैं,
ठण्डी हमारी हर लेते हैं।
जोश हमें दिलाते हैं,
श्रद्धा-भाव जगाते हैं।।

नाता उनसे जोड़ते हैं,
सम्मान उनको देते हैं।
विश्वास उनसे जोड़ते हैं,
सर्दी वे समेट लेते हैं।।

इसीलिए तो बच्चे उनको।
सेंटा क्लाज कहते हैं।।

रचना-
सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 24.12.2020 **1234** दिन- गुरुवार

गणितज्ञ- श्रीनिवास रामानुजन

एक महान भारतीय गणितज्ञ,
श्री निवास रामानुजन थे।
कम उम्र में ही गणित के क्षेत्र में दिए,
उनके महत्वपूर्ण कई योगदान थे।।

बाईस दिसम्बर अठारह सौ सत्तासी,
इरोड़ गाँव, कोयंबतूर में जन्मे थे।
ब्राह्मण परिवार था, माँ 'कोमल तम्मल',
पिता 'श्री निवास इयंगर' मुनीम थे।।

इकत्तीस साल की उम्र में ही गणित के,
एक सौ बीस सूत्र लिख दिए।
विश्लेषण एवं संख्या-सिद्धान्त के,
क्षेत्र में कई योगदान भी दिए।।

गणित में कोई औपचारिक शिक्षा,
विशेष प्रशिक्षण इन्होंने नहीं लिया।
तीन हजार आठ सौ चौरासी प्रमेयों का,
अपनी लगन से संकलन किया।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 24/12/2020 **1235** दिन- गुरुवार

पानी

प्यास लगे तो पिएँ पानी,
नहाने-धोने में लगता पानी।
जीव-जन्तु पीते सब पानी,
बिना पानी के होती हैरानी।।

बिन पानी हम जी नहीं पाएँ,
कहीं न पानी व्यर्थ बहाएँ।
नल में खुला न छोड़ो पानी,
बरसात में खूब बहता पानी।।

पानी को तुम रोज बचाओ,
अपना जीवन सफल बनाओ।
काम पड़े तो उसे बहाओ,
फसल खेत में तुम लहराओ।।

पानी बिना अधूरा जीवन,
जल से खिलता अन्न और उपवन।
जल देता सबको नवजीवन,
पानी ही है एक अनुपम धन।।

रचना
सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

सुरेश कुमार (प्र०अ०)

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 24/12/2020
1236
दिन- गुरुवार

आलोचना

आलोचक मिलेंगे पग-पग,
प्रेरक मग में कम ही मिलते हैं।
कण्टक मिले आलोचना के,
पुष्प-प्रशन्सा कम ही खिलते हैं।।

कमी तेरी हर बात में, निकालेगी दुनिया,
कभी गिराएगी कभी, उठा लेगी दुनिया।
अन्धड़-आँधी आ भी जाये तो,
दृढ़-दरख़्त तो कम ही हिलते हैं।।
आलोचक .....

उस कसूर की सजा मिलेगी,जो कि किया नहीं,
जिन्दा हो फिर भी बोलेंगे, जीवन जिया नहीं।
इन प्रश्नों का जब जवाब देना हो तो,
अधर हमारे ऐसे सिलते हैं।।
आलोचक .....

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1237
दिनाँक- 24/12/2020
दिन- गुरुवार

महान गणितज्ञ

तमिलनाडु में जन्म हुआ था,
श्रीनिवास रामानुजन नाम था।
विलक्षण प्रतिभा के धनी थे,
बालक जिज्ञासु प्रवृत्तिवान था।।

परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए,
मात्र दस वर्ष की आयु में।
अद्वितीय योगदान दिया,
गणित विधा के क्षेत्र में।।

प्रश्न पूछना बहुत पसंद था,
शिक्षकों को आश्चर्यचकित करते थे।
गणित में अनेक सूत्र देते थे,
प्रमेयों की रचना करते थे।।

22 दिसम्बर को जन्म लिया था,
भारत के इस सपूत ने।
22 दिसम्बर को हम मनाते,
गणित दिवस के रूप में।।

रचना
कृष्णपाल (पूर्व छात्र)
प्रा० वि० बनगवां,
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 24/12/2020
1238
दिन- गुरुवार

उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति

गढ़वाल कुमाऊँ की सुसंस्कृति,
है प्रसिद्ध चहुँ ओर चौदिशि।
सुनो प्रिय नन्हें-मुन्ने बच्चों,
लोक संस्कृति पर कोई चित्र बनाओ।।

जिसमें झलक उठे मेरा उत्तराखण्ड,
खाना, पहनावा, दमके एक-एक खण्ड।
मीठा बोलने वाले गढ़वाल, कुमाऊँ के,
नृत्य, चौंफला, जागर गीत सुहाने।।

अपने पराए कोई न दिखें जहाँ,
कुछ महान विभूतियों के नाम यहाँ।
वीरांगना, वीरशिरोमणि भी हों,
विज्ञान, चिकित्सा की भी प्रसिद्धि हो जहाँ।।

ऐसी प्रिय लोक संस्कृति को अपनाकर,
उत्तराखण्ड को प्रसिद्धि दिलाओ।
देश प्रेमियों के पद चिन्हों पर चलकर,
कागज पर भी इस धरोहर को उकेर दिखाओ।।

रचना
किरण जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डीमल्ली,
वि० ख०- कीर्ति नगर
जनपद - टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 24-12-2020
1239
दिन- गुरुवार

लोक-संस्कृति दिवस

उत्तराखण्ड के गाँधी,
टिहरी के अखोड़ी में जन्मे थे।
नाम जिनका इन्द्रमणि बड़ोनी,
प्रसिद्ध जुझारु रंगकर्मी थे।।

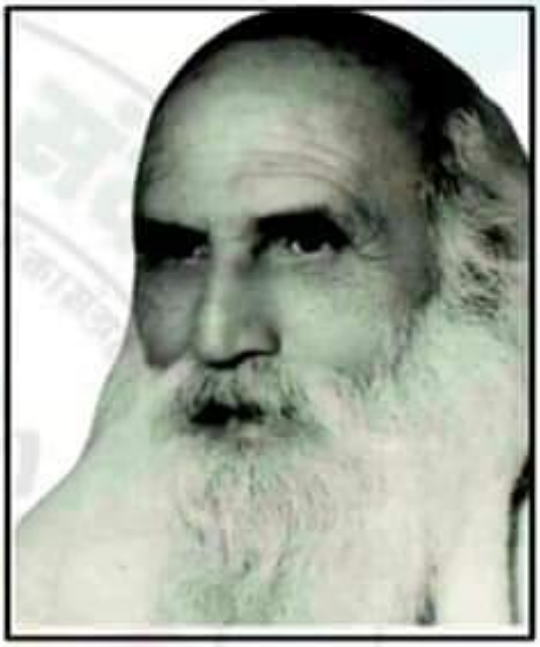

लोक-संस्कृति के वह महानायक,
सांस्कृतिक भाव जगाते थे।
नहीं उनका कोई अपना-पराया,
समता भाव दिखाते थे।।

अपना पराया का बोध न जिसमें,
लोक-संस्कृति की झलक हो उसमें।
कुछ यादें महानायकों की जिसमें,
सृजनात्मकता आपकी झलके उसमें।।

आओ! मिलकर तुम ये पर्व मना लो,
समृद्ध, संस्कृति का मान बढ़ा लो।
अपने मन के भाव तुम उकेर लो,
अपनी धरोहरों को अक्षुण्ण बना लो।।

रचना
सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 25/12/2020
1240
दिन- शुक्रवार

मेरी गुड़िया रानी

ये है मेरी गुड़िया रानी,
मुझसे सुनती रोज कहानी।
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी,
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी।।

खाती रोटी पीती पानी,
कभी ना करती ये शैतानी।
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी,
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी।।

पहने कपडा लाल-गुलाबी,
लाल-गुलाबी, लाल गुलाबी।
लाल-गुलाबी, लाल गुलाबी,
कमर में लटकाए घर की चाभी।।

अपने नाचे-नाच नचाए,
घर वालों को नाच नचाए।
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी,
गुड़िया रानी-गुड़िया रानी।।

रचना
सौम्या कुमारी (छात्रा)
कक्षा - 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-25/12/2020

1241

दिन- शुक्रवार

विनयशील बनाती विद्या

विद्या ददाति विनयम्,
विद्या से नम्रता पाएँ हम।
संगच्छध्वं संवदध्वम्,
साथ चलें और बोलें हम।।

ईशावास्यमिदं सर्वम्,
ईश्वर को कण-कण में जानें हम।
कस्मै देवाय हविषा विधेम,
परमात्मा को करें नमन हम।।

शिक्षातप्रभवते सुखम्
शिक्षा से सुख पाएँ हम।
सं वो मनांसि जानताम्,
तदनुभूति कर पाएँ हम।।

योग: कर्मषु कौशलम्,
कर्मों में कुशलता पाएँ हम।
स्वस्ति पंथामनुचरेम,
कल्याणकारी पथ पाएँ हम।।

रचना-
प्रतिभा भारद्वाज
पू० मा० वि० वीरपुर
छबीलगढ़ी ,जवां, अलीगढ़

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/12/2020

1242

दिन- शुक्रवार

क्रिसमस डे

क्रिसमस डे का आया त्योहार,
खुशियों की लाया बौछार।
सबने घर को खूब सजाया,
गुब्बारों से घर चमकाया।।

तरह-तरह की टॉफी लाएँ,
सबने गोल-गोल गुब्बारे लगाएँ।
बच्चों ने सब उपहार सजाए,
सेन्टा क्लॉज सबके घर आए।।

सेन्टा क्लॉज संग एक झोली लाए,
उसमें बहुत सारे तोहफे भर लाए।
सेन्टा क्लॉज हँसते हुए आया,
क्रिसमस डे सबके मन भाया।।

क्रिसमस ट्री को खूब सजाते,
खुशी-खुशी त्योहार मनाते।
सेन्टा बच्चों को गिफ्ट बाँटते,
घोड़ा गाड़ी में झट उड़ जाते।।

रचना- कु० सरस्वती (छात्रा)
कक्षा- 5
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1243
दिनाँक- 25/12/2020
दिन- शुक्रवार

* क्रिसमस डे मनाएँ *

क्रिसमस डे- क्रिसमस डे,
घर-घर मना क्रिसमस डे।
सबने मनाया क्रिसमस डे,
क्रिसमस डे, क्रिसमस डे।।

सेंटा क्लॉज, सेंटा क्लॉज,
लाल रंग के कपड़ों में आता।
सिर पर टोपी भी लगाता,
जिंगल बेल-जिंगल बेल गाता।।

25 दिसम्बर को मनाएँ क्रिसमस डे,
सेंटा क्लॉज बोला क्रिसमस डे।
सारे बच्चे मनाते क्रिसमस डे,
क्रिसमस डे-क्रिसमस डे।।

सेंटा क्लॉज लेकर आता गिफ्ट,
सारे बच्चों को देकर जाता गिफ्ट।
सेंटा क्लॉज बच्चों से करते दुलार,
बच्चे करते उनसे बहुत ही प्यार।।

रचना

अनुप्रिया कुमारी (छात्रा)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 25/12/2020

1244

दिन- शुक्रवार

भारत वन्दना

भारत अनुपम है दुनिया में,
कर जोड़ वन्दना किया करो।
इसकी महिमा दुनिया गाती,
तुम नाम भाव से लिया करो।।

कण-कण इसका हीरा-मोती,
सोनल सी चमक चमकती है।
पूरे भारत भूमण्डल पर,
चिड़ियों की चहक चहकती है।।

भारत की धरा निराली है,
जो अखिल विश्व को है प्यारी।
यह वीर प्रसू की माटी है,
सब मान रही दुनिया सारी।।

सभ्यता जहाँ मुसकायी है,
दुनिया को राह दिखायी है।
गत गौरव जिसका अद्भुत है,
करते सब नित्य बड़ाई हैं।।

रचना- देवेन्द्र कश्यप (स०अ०)
प्रा० वि० हरिहरपुर
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 25.12.2020

1245

दिन- शुक्रवार

आया क्रिसमस-डे

पच्चीस दिसम्बर को ईसामसीह का जन्म,
यरुशलम के बेतलहम गाँव में हुआ।
पिता जोसफ थे माता मरियम,
बचपन से उन्हें दिव्यता का भान हुआ।।

सर्दी होती दिसम्बर महीना,
अपने साथ ठण्डक लाता।
माह के अन्त में पर्व सुहाना,
यह क्रिसमस-डे भी आता।।

पच्चीस दिसम्बर ईसामसीह के,
जन्मदिवस के रुप में मनाया जाता।
चर्च में समारोह, सजावट, रोशनियों से,
क्रिसमस का पेड़ सजाया जाता।

सान्ताक्लॉज क्रिसमस से जुड़ी कल्पना,
जो बच्चों को पोटली से तोहफा देते।
बच्चे खुशी से सांताक्लॉज बन करके,
विद्यालयों में खूब अभिनय करते।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 25/12/2020
1246
दिन- शनिवार

सेंटा आया

सेंटा आया, सेंटा आया,
देखो कितनी खुशियाँ लाया।
हमने अपना घर सजाया,
सेंटा आया, सेंटा आया।।

25 दिसम्बर दिन है बड़ा,
सेंटा हमारे दर पर खड़ा।
जिंगल बेल गाना गाया,
सेंटा आया, सेंटा आया।।

रात में छुपकर सेंटा आते,
मोजों में खुशियाँ रख जाते।
टॉफी चॉकलेट सब ने खाया,
सेंटा आया, सेंटा आया।।

गिरजाघर में घण्टी बजेगी,
रंग-बिरंगी रोशनी सजेगी।
मम्मी ने घर में केक बनाया,
सेंटा आया, सेंटा आया।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता "कलिका"
(स०अ०) प्रा० वि० धनीपुर,
धनीपुर, जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1247

दिनाँक- 25.12.2020 दिन- शुक्रवार

बड़ा दिन

ये पच्चीस दिसम्बर आया,
बड़ा दिन है ये कहलाया।
क्रिसमस ट्री को सजाएँ,
उसमें एक स्टार लगाएँ।।

केक बनाएँ, चर्च में जाएँ,
यीशु का जन्मदिन मनाएँ।
बाँटें खुशियाँ हम सब,
हर घर को आज सजाएँ।।

शाम सेंटाक्लॉज आए,
संग ढेरों उपहार लाए।
बच्चों के नन्हे चेहरों में,
कितनी खुशियाँ भर लाए।।

ऊँचाई पर बर्फ की चादर,
उस पर स्लेज चलाते आए।
बच्चे ताली पीट के गाएँ,
सेंटा आए, सेंटा आए।।

रचना -
दीक्षा जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० चोरगलिया
हल्द्वानी, नैनीताल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 25.12.2020

1248

दिन- शुक्रवार

मेरी मन:स्थिति

मेरे विद्यालय के प्यारे बच्चे,
देख मुझे भागकर आते हैं।
मैम कब स्कूल खुल जाएगा,
ये पूछ-पूछ इठलाते हैं।।

क्या उत्तर दूँ मैं उनको?
ये समझ नहीं पाती हूँ।
वो नन्हीं कौतूहल भरी आँखें,
क्या समझाऊँ सोच नहीं पाती हूँ?

माता-पिता शिकायत करते,
कि ये विद्यालय में ही पढ़ते हैं।
फोन से पढ़ाई ठीक से नहीं करते,
ये फालतू बातें भी सीखते हैं।।

ऐसी बातें सुन, मैं डरती भी हूँ,
कि नन्हें गलत राह न पकड़ जाएँ।
हे ईश्वर! समय सही आ जाए,
मैं हृदय से प्रार्थना करती हूँ।।

रचना-
किरण जोशी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डीमल्ली
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 26/12/2020 1249 दिन- शनिवार

मेरा मोर

मोर नाचा, मोर नाचा,
रंग-बिरंगा मोर नाचा।
पंख फैलाकर मोर नाचा,
मोर नाचा, मोर नाचा।।

बरसात में भी नाचा मोर,
देश का राष्ट्रीय पक्षी मोर।
देखने में सुन्दर लगता मोर,
मोर नाचा, मोर नाचा।।

हरे-भरे खेतों में नाचा,
आँगन की छत पर नाचा।
मोर नाचा, मोर नाचा,
मोर नाचा, मोर नाचा।।

घूम-घूम के नाच लगाएँ,
नाचते-नाचते पंख गिराएँ
प्रभु मुकुट की शोभा बढाएँ,
मोर नाचा, मोर नाचा।।

रचना
दीक्षा राय (छात्रा)
B.A. (तृतीय वर्ष)
बरखू राम वर्मा
महिला महाविद्यालय जोकहरा
जिला- आजमगढ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1250
दिनाँक- 26/12/2020
दिन- शनिवार

बच्चे की बात, माँ के साथ

मेरी माँ, चलो तुम भी स्कूल,
दिखाऊँ सुन्दर-सुन्दर फूल।
रोज मैं जाता पढ़ने स्कूल,
बोलती दीवारें, नहीं उड़ती धूल।।

बहुत मोहक जो न्यारा है,
वही प्यारा स्कूल हमारा है।
गाँव के बाहर दक्षिण की ओर,
सड़क भी जाती है उस ओर।।

कहानी की किताबें हैं भरपूर,
चित्र भी हैं, केला और अंगूर।
बहुत हैं बनवाए सुन्दर चित्र,
मोर, कोयल, चीता, शेर विचित्र।।

सुबह घण्टी बजती टन-टन ,
पहुँचते सब यूनिफॉर्म पहन।
सजी दीवारें, बने हैं सब चित्र,
खेलते, पढ़ते हम सब मित्र।।

रचना- सतीश चन्द्र (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1251
दिनाँक- 26/12/2020
दिन-शनिवार

Weather

Weather is good,
Then I stood.
Have a lovely mood,
I take my food.

Weather is naughty,
The road is steady.
I take my scooty,
Go to my duty.

Weather is sunny,
My mood is funny.
Take some penny,
I am buying honey.

Weather is bad,
I am so sad.
With a pillow red,
I go to my bed.

Written by
Farah Haroon H. T.
P. S. Madhiya Bhansi
Salarpur, Budaun

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 26/12/2020
1252
दिन- शनिवार

क्रिसमस आया

क्रिसमस आया, क्रिसमस आया,
देखो क्रिसमस आया रे।
सेंटा देखो साथ में अपने,
कितने खिलौने लाया रे।।

झोली में उपहार है उनके,
सर पर देखो टोपी लाल।
चलो रे चुन्नू, चलो रे मुन्नू,
हम भी करें खूब धमाल।।

टन-टन घण्टी बजाकर देखो,
हमको बड़ा हँसाया रे।
क्रिसमिस आया, क्रिसमस आया,
देखो क्रिसमस आया रे।।

क्रिसमस देखो कितनी सारी,
खुशियाँ लेकर आया रे।
क्रिसमस आया, क्रिसमस आया,
देखो क्रिसमस आया रे।।

क्रिसमस-ट्री हम बच्चों ने,
देखो खूब सजाए हैं।
यीशु के उत्सव में देखो,
जिंगल बेल्स बजाए हैं।।

रचना- रविंद्र कुमार "रवि" सिरोही (ARP)
ब्लॉक- बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.12.2020

1253

दिन- शनिवार

माह- दिसम्बर

माह दिसम्बर देखो आया,
ठण्ड को अपने साथ है लाया।
गजक, मूँगफली, गुड़ की मिठास,
धूप में होते हास-परिहास।।

साल का आखिरी मास है प्यारा,
लाता क्रिसमस राज दुलारा।
गाते सुन्दर गीत हैं सब,
याद करते हैं अपना रब।।

सांता लेकर तोहफा आता,
सबके मन को खूब लुभाता।
क्रिसमस-ट्री को ताकें सब,
आस तोहफ़े की करते अब।।

दिन आज से कुछ बढ़ने लगता है,
इसीलिए बड़ा दिन कहलाता है।
क्रिसमस के इस दिन से ही,
नूतन वर्ष भी स्वागत पाता है।।

रचना-जीवन्ती गोस्वामी (स०अ०)
रा० प्रा० वि० गहलना
खुर्पाताल
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 26.12.2020

1254

दिन- शनिवार

अटल- (अद्री सम)

जो ठान ले वो कर दिखाते,
शब्दों के जाल से बाँध डालते।
अद्वितीय बुद्धि अनोखे शब्दों के,
चक्र व्यूह में शत्रु को भी झकझोरते।।
शान्त चित्त सुकोमल शब्द,
हर बात पर कविता बनाना।
राज-काज और जनमान पर अटल,
अमिट छवि उनका छोड़ जाना।।

जैसा नाम वैसा गुण और काम,
राज सुख का नहीं था लोभ, भाव निष्काम।
तीखे व्यंग्यात्मक शब्दों भरी मुस्कान,
हर व्यक्ति हृदय से जुड़ा सैनिक हो या किसान।।
आज 25 दिसम्बर की पुण्य बेला है,
श्री अटल जी का पावन अवतरण दिवस।
भारत जन ही स्मरण नहीं करते अपितु,
विश्व कोटि जन, नमन करें हर वर्ष।।

रचना :- किरण जोशी
(प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० मैखण्डी मल्ली,
ब्लॉक - कीर्तिनगर,
टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 28-12-2020
1255
दिन- सोमवार

वृक्ष अनमोल

वृक्ष हमारे जीवन दाता,
देखभाल मैं इनकी करता।
तेज़ धूप से हमें बचाते,
काम हमारे बहुत ही आते।।

वृक्ष हमारे जीवन दाता,
ऑक्सिजन हमें देते ये।
ना करो इनकी कटाई,
दुख-दर्द को महसूस करते ये।।

वृक्ष हमारे जीवन दाता,
मैं ही इनका ध्यान रखता।
नियमित पानी इन्हें देकर,
खुशी मिलती फिर फल खाकर।।

वृक्ष हमारे जीवन दाता,
वायु शुद्ध रखते ये।
कार्बन डाई ऑक्साइड ग्रहण कर,
प्रदूषण कम करते ये।।

रचना-
कल्पना कुमारी (स०अ०)
क० मॉ० प्रा० वि.हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1256

दिनाँक- 28/12/2020

दिन- सोमवार

माँ का आँचल

माँ का आँचल सबसे प्यारा,
इसमें है अपना संसार सारा।
जिसके छाँव में पला बचपन,
बडे होकर सँवारा भविष्य हमारा।।

माँ का आँचल सबसे न्यारा,
देता हमको जग की खुशियाँ।
गम में बनता हमारा सहारा,
यही अपना संसार प्यारा।।

आधार यही जीवन का सबके,
जिनकी नहीं माँ उनसे पूछें।
सारे जग से है ये न्यारा,
माँ का आँचल सबसे प्यारा।।

रचना

कल्पना मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० मोलनापुर
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1257

दिनाँक- 28/12/2020

दिन- सोमवार

Merry Christmas

Jingle bells ringing loudly,
Birds chirping sweetly,
To merry Christmas night,
Stars twinkling brightly.

Snow falling slowly,
Moon shining clearly.
To welcoming Santa on earth,
Nature decorating beautifully.

Candles lighting brightly,
People wishing merrily.
Merry Christmas! Happy
Christmas!
Children wishing happily.

Church looking heavenly,
Christmas tree shining nicely.
Everyone on this occasion,
Celebrating Christmas enjoy fully.

Written by
Supriya Singh (A.T.)
Composite School
Baniyamau
Machhrehta, Sitapur

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 28/12/2020
1258
दिन- सोमवार

क्रिसमस

जाड़ों की सर्द रातों में,
सेंटाक्लाज आते हैं।
टॉफी, चॉकलेट, केक, कैंडी,
गिफ्ट्स हमें दे जाते हैं।।

चर्च, फादर, ईसा मसीह,
लाइट्स, कैंडल और झालर।
नये कपड़े और नया सामान,
देखकर हर्षाए मेरा मन।।

मेरा भी मन करता है,
मैं भी सेंटा बन जाऊँ।
जोजफ, रीना, पीटर, ग्रोवर,
सबको गिफ्ट मैं दे आऊँ।।

उत्साह, मस्ती, प्यार, भरोसा,
यही है यीशु का सन्देश।
प्यार बाँटकर इक दूजे में,
हम सजायें खुशियों का पेड़।।

रचना- मंजु रानी (स०अ०)
रा० प्रा० वि० रिंगोड़ा
रामनगर, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक-28.12.2020
1259
दिन- सोमवार

हंसवाहिनी माँ

ज्ञान दे ध्यान दे, विद्या का भण्डार दे,
मान दे सम्मान दे, चरणों में स्थान दे।
हे! हंस वाहिनी माँ, ज्ञान दायिनी माँ।।

सार दे संगीत दे, वीणा का स्वर दे,
मन में भक्ति दे, भक्ति में शक्ति दे।
हे! हंस वाहिनी माँ, ज्ञान दायिनी माँ।।

शक्ति वन्देमातरम्, भक्ति राष्ट्र गान दे,
राष्ट्रीयता का भाव दे, हृदय में सद्भाव दे।
हे! हंस वाहिनी माँ, ज्ञान दायिनी माँ।।

देश सेवा का भाव दे, भाई-बहन का प्यार दे,
अपनों का दुलार दे, अन्न-धन्न भण्डार दे।
हे! हंस वाहिनी माँ, ज्ञान दायिनी माँ।।

धर्म-कर्म का ध्यान दे, सभी बड़ों का सम्मान दे,
पितरों का वरदान दे, रोग-दोष मिटा भी दे।
हे! हंस वाहिनी माँ, ज्ञान दायिनी माँ।।

रचना-
हेमलता बहुगुणा (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० सुरसिंगधार,
चम्बा (टिहरी गढ़वाल)

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1260
दिनाँक- 29.12.2020
दिन-मंगलवार

नूतन वर्ष हो मंगलमय

नव वर्ष तुम्हारा स्वागत है,
अभिनन्दन बारम्बार।
ले आओ संग में अपने,
सुख-शान्ति के उपहार।।

कोई न रहे निर्बल, निर्धन,
नहीं कोई विकल रह जाए।
हर व्यक्ति सफल सम्पन्न बने,
कोई असफल न रह जाए।।

मैं देखूँ चहुँ ओर समृद्धि,
देखूँ बस खुशहाली।
देश के कोने-कोने फैली,
हो अनुपम हरियाली।।

हर भूखे को रोटी-कपड़ा,
मिले निराश्रित को आश्रय।
सबको हो नव वर्ष मुबारक,
नूतन वर्ष हो मंगलमय।।

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू०मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवाँ, सीतापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 29.12.2020
1261
दिन- मंगलवार

स्वामी श्रद्धानन्द जी

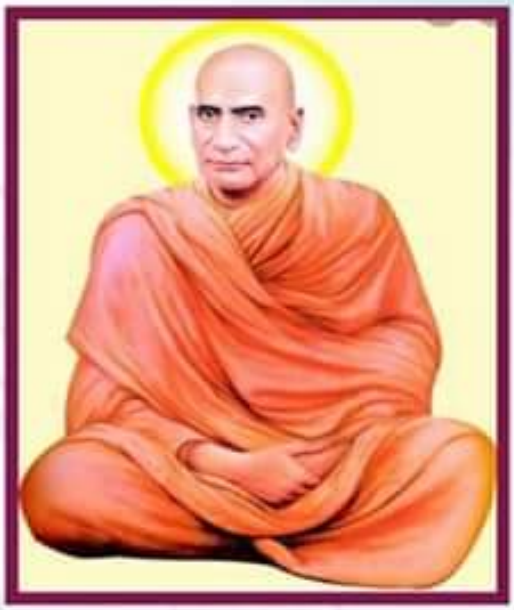

भारत के शिक्षाविद, गुरु श्रद्धानन्द जी,
एक राष्ट्र भक्त, स्वतन्त्रता सैनानी।
आर्य समाज के अनुयायी और सन्यासी,
स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षा मानी।।

बाईस फरवरी अठ्ठारह सौ छप्पन को,
जालन्धर के तलवान गाँव में जन्म लिया।
समाजसेवी, पत्रकार, स्वतन्त्रता सैनानी,
आदर्श अध्यापक बनकर के कार्य किया।।

अपना जीवन स्वाधीनता, स्वराज्य, शिक्षा,
वैदिक धर्म के प्रचार-प्रसार को दिया।
संगठित भारत व हिन्दू समाज करने को,
हिन्दू धर्म अपनाने को 'शुद्धि-आन्दोलन' किया।।

शूद्रों के हितैषी ऐसे महान व्यक्तित्व को हमने,
तेईस दिसम्बर उन्नीस सौ छब्बीस को खो दिया।
जिन्होंने शिक्षा गुरुकुल परम्परा से देना चाहा,
'गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय' स्थापित किया।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
संवि० पूर्व मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 29/12/2020 **1262** दिन- मंगलवार

अमरूद

अमरूद खाओ, अमरूद खाओ,
पीले अमरूद पक्के होते।
हरे अमरूद कच्चे होते,
अमरूद खाओ, अमरूद खाओ।।

अमरूद खाओ, अमरूद खाओ,
अमरूद खा कर मस्त हो जाओ।
बाहर से वो हरा दिखता,
अन्दर से वो लाल दिखता।।

अमरूद खाओ, अमरूद खाओ,
सर्दियों में फलों का राजा है अमरूद,
सर्दी के मौसम में बीमारी भगाए दूर,
अमरूद खाओ, अमरूद खाओ।।

अमरूद खाओ, अमरूद खाओ,
अमरूद खाने से विटामिन सी पाओ।
विटामिन बी भी मिलता है,
अमरूद खाओ, अमरूद खाओ।।

रचना

दिव्या (छात्रा)
कक्षा - 4
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 29.12.2020
1263
दिन- मंगलवार

बादल

आसमान में छाए बादल।
उमड़-घुमड़ कर के आए बादल।।

सुन्दर छाया बिखरे बादल।
सावन आया बिखरे बादल।।

पानी भर-भर लाए बादल।
रिमझिम-रिमझिम बरसे बादल।।

इन्द्रधनुष को लाए बादल।
धरती की प्यास बुझाए बादल।।

काले-काले, लाल बादल।
गरज-गरज कर बरसे बादल।।

रचना-
मिहिर कुमार
कक्षा - 5
रा० प्रा० वि० ठाण्ड धरसाल
ब्लॉक - ऊखीमठ
जनपद - रुद्रप्रमाग

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-29.12.2020

1264

दिन- मंगलवार

माँ

माँ! तू ममता की सच्ची मूरत है,
तेरे प्यार का मोल नहीं जाए चुकाया।
जब भी मुझे ठोकर लगीं,
तूने मुझे उठना सिखाया।।

आज माँ बनकर मैंने,
माँ का वात्सल्य पहचाना।
माँ ही ममता की अनमोल निधि है,
यह मैंने अब जाना।।

हर रिश्ते में स्वार्थ है,
पर माँ स्वार्थी नहीं हो सकती।
अपनी सन्तान का कभी माँ,
अहित नहीं चाह सकती।।

माँ से बन्धन पाने को,
ईश्वर भी जन्म लेते हैं।
धनवान होते हैं वे लोग,
जो यह बन्धन पाते हैं।।

रचना-
डा0 विनीता खाती(स0अ0)
रा0उ0प्रा0वि0 गाड़ी
ताड़ीखेत (अल्मोड़ा)

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 30/12/2020
1265
दिन- बुधवार

अनाथ

देखा ना था कभी माँ को,
पर माँ का एहसास है।
आँखों में बसी है छवि उसकी,
लगता है जैसे माँ पास है।।

थोड़ा सा याद है कुछ धुँधला सा,
माँ ने दूध पिलाया था।
रोता था जब रात में बहुत,
माँ ने लोरी गाकर सुलाया था।।

पर आज ना तो माँ है,
ना ही उसका साया है।
इस अनाथ को देखकर,
माँ का एहसास याद आया है।।

जिस पर ना हो,
माँ, बाप का साया।
कोई ना अपना है उसका,
सारा जग है पराया।।

रचना:-
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1266
दिनाँक- 30/12/2020
दिन- बुधवार

मेहनत का फल

मेहनत करने वालों की,
कभी भी हार नहीं होती।
दिल से की गई मेहनत,
कभी बेकार नहीं होती।।

सुबह जल्दी उठना पड़ता है,
दिन को रात करना पड़ता है।
उम्मीद की किरण दिखती है,
तब कहीं सफलता मिलती है।।

न ही करना आलस कभी,
जो होना है वो होगा तभी।
न कभी धीरज खोना तुम,
न कभी ज्यादा सोना तुम।।

बिन मेहनत के फल कहाँ,
पढ़-लिखकर जीत लो जहाँ।
उठो, पढ़ो सफलता पा लो,
आज पढ़ो, और कल बना लो।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा०वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 30/12/2020
1267
दिन- बुधवार

ढोल

खुशियों के अवसर पर,
है ढोल बजाया जाता।
ढोल की मधुर तान पर,
सबको है नचाया जाता।।

शादी, ब्याह का अवसर हो,
या फिर होली का हुड़दंग।
ढोल बजाकर खुशी मनाते,
हो जाते सब मस्त मलंग।।

बैशाखी का त्योहार जब,
आता लेकर नयी उमंग।
मिलकर भांगड़ा करते हैं,
सब नर-नारी ढोल के संग।।

स्वागत में गणमान्य जनों,
के भी हम ढोल बजाते हैं।
भारतीय संस्कृति में ढोल,
बजाकर खुशी मनाते हैं।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1268

दिनाँक- 30/12/2020 दिन- बुधवार

आलू जी की बारात

आलू जी की चली बारात,
हुई खुशियों की बरसात।

प्याज की गाड़ी के ऊपर,
बैठे आलू राजा।
गाजर और मूली ने मिलकर,
खूब बजाया बाजा।।

मेथी, पालक, भिंडी, तुरई,
शलजम, टिण्डा, मिर्चा।
बने बाराती नाच रहे थे,
कद्दू, लौकी, बैंगन की चर्चा।।

आलू जी हँसते-मुस्कुराते,
टमाटर दुल्हन लाए।
कटहल और करेले जी ने,
खूब पकवान खाए।।

और चाट पकोड़े भी खाए,
आलू जी की चली बारात॥

रचना

अभय (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

1269

दिनाँक- 30.12.2020

दिन- बुधवार

नव-वर्ष

नव वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाएं

नव वर्ष सबको उन्नति के नए मुकाम दे,
नव ज्ञान, शुभ राह, मान और सम्मान दे।
एक हो सब की राह एक हो चमन यहाँ,
राष्ट्रहित हो सर्वोपरि यह सद्भावना हो यहां

असहाय को गले लगाएँ,
गिरते हुए को ऊँचा उठाएँ।
स्वार्थ के अथाह सागर में,
परमार्थ का दीपक जलाएँ।।

कर्तव्य पथ पर नित बढ़े,
मानव सेवा ही धर्म हो।
स्वाबलम्ब, समर्पण भाव हो,
सदैव यह सत्कर्म हो।।

जग कल्याण करें परमार्थ सेवा भाव हो,
प्रेम से जीवन कटे सर्वत्र समभाव हो।
विचलित न हो राह से सबका यही भाव हो,
नवरंग नव उमंग नूतन-वर्ष मंगलमय हो।।

रचना-
विजय डंगवाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० खारासूत
नरेन्द्र नगर, टिहरी गढ़वाल

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
1270
दिनाँक- 30.12.2020
दिन- मंगलवार

संकल्प -साधना

नव सृजन की शुभ बेला में,
आओ उस संकल्प को गति दें।
यदि जीवन पथ पर मैं भटक जाऊँ तो,
हाथ पकड़कर सन्मति दे।

स्वार्थ-अर्थ-निःस्वार्थ-भाव को,
चिंतन मनन कर लेना।
पर एक विनय मेरी भी है,
कर्तव्य पथ से विमुख न होना।

मधुलिका सी पिपीलिका भी,
निज नित कर्मरत रहती है।
अनगिनत ठोकर खाकर भी,
आगे बढ़ती जाती है।

कितने भी संस्कार मिले हों,
चाहे शिक्षा ऊँची हो।
वातावरण का असर है होता,
जैसी संगत सींची हो।

रचना:-
सरोज डिमरी(स०अ०)
रा० आ०उ०प्रा० वि० गौचर,
ब्लॉक - कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
मिशन शिक्षण संवाद
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 31/12/2020
1271
दिन- गुरुवार

पर्यावरण संरक्षण

मानव-मानव को समझाओ,
नयी सोच को तुम अपनाओ।
सजग रहो जागरूक रहो,
जागरुता की मुहिम चलाओ।।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाओ,
सबमें तुम चेतना जगाओ।
प्रदूषण धरा पर नहीं फैलाओ,
दुष्परिणामों को समझाओ।।

खुशहाल रखना है यदि जीवन,
वातावरण को शुद्ध बनाओ।
रखो स्वच्छ ये भूमि और जल ,
प्रतिदिन एक नया पेड़ लगाओ।।

बनो एक जिम्मेदार नागरिक,
जन-जन जिम्मेदारी निभाओ।
देकर अपना छोटा सहयोग,
इस पर्यावरण को शुद्ध बनाओ।।

रचना
सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बाँसुरा (प्रथम)
वि० क्षेत्र- रामपुर मथुरा,
जनपद- सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 31/12/2020

1272

दिन- गुरुवार

घड़ी

टिक-टिक-टिक-टिक,
चलती है घड़ी।
सुबह-सुबह नींद से हमको,
जगाती है यह घड़ी।।

घड़ी की सुइयाँ मिलकर चलतीं,
हमको समय बताती हैं।
सेकण्ड, मिनट और घंटे की,
चाल यही बतलाती है।।

कब होमवर्क करना है हमको?
कब हमको खाना खाना है?
कब हमें घर से बाहर,
खेलने-कूदने जाना है?

कभी न हमको रुकना है,
बतलाती है गोल घड़ी।
टिक-टिक-टिक-टिक,
चलती है यह गोल घड़ी।।

रचना
बीना रानी (स० अ०)
पूर्व मा० वि० पुल नानऊ
अकराबाद, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 31/12/2020

1273

दिन- गुरुवार

मेरा घर

मेरा-घर मेरा-घर,
कितना सुन्दर मेरा-घर।
जिसमें रहते दादा-दादी,
करते हैं वो हमसे प्यार।।

मेरा-घर, मेरा-घर,
तुलसी के पौधे से।
आँगन सजा है इनसे,
मेरा-घर, मेरा-घर।।

मेरे घर के सामने गेंदे का फूल,
जिस पर बैठे भँवरा सब कुछ भूल।
गेंद और गुलाब चमके-दमके,
जिसके खुशबू से पूरा घर महके।।

मेरे घर के सामने है हरियाली,
जिसपर आए तितली रानी।
मेरा-घर, मेरा-घर,
कितना सुन्दर मेरा-घर।।

रचना

दीक्षा राय (छात्रा)
B.A. (तृतीय वर्ष)
बरखू राम वर्मा
महिला महाविद्यालय जोकहरा
जिला-आजमगढ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 31-12-2020

1274

दिन- गुरुवार

संकल्प से सिद्धि

नदियों का मृदुल जल बहकर,
कठोरता को पाता है।
कालान्तर में समुद्र में जाकर,
खारापन पा जाता है।।

स्वच्छ वसन हो स्वच्छ हो पानी,
निर्मल होती मन और बानी।
पौष्टिक भोजन हो ताजा अन्न,
स्वस्थ शरीर और प्रफुल्लित मन।।

लक्ष्य सिद्धि तब ही सम्भव है,
जब गति समय की पहचानो।
व्यावहारिक तुम ज्ञान बढाकर,
व्यावसायिक शिक्षा अपना लो।।

अपनी क्षमता को पहचानो,
जीव सफल बनाना है।
मंगलमय बेला पर अपना,
संकल्प पूरा करना है।।

नव सृजन की शुभ बेला में,
आओ निज संकल्प को गति दें।

रचना

सरोज डिमरी (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गौचर
कर्णप्रयाग, चमोली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 31/12/2020

1275

दिन- गुरुवार

शीत से रण

आ गयी है शीत ऋतु वह,
लहर ठण्डी साथ लेकर।
सूर्य की ताकत किरण से,
छीन ताकत छा गयी अर।।

और जल में भर दिया है,
बर्फ सा व्यवहार उसने।
मानों काँटे बो दिए हों,
आज जल में शीत तुमने।।

वायु में कब किस तरह से,
हिम ये तुमने मिला डाली।
मधुर गति से जब हिले तो,
बर्फ बाँटे आज डाली।।

खिंच गयी कम्बल रजाई,
शीत से रण जो पड़ा है,
इन्हीं शस्त्रों से सुसज्जित,
मनुज तव सम्मुख खड़ा है।।

रचना

विजय प्रकाश रतूड़ी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० ओडाधार
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.01.2021

1276

दिन- शुक्रवार

New Year- 2021

As two thousand twenty one is coming near,
Wish you all a Happy New Year.
May your life always shine as the sun,
And your heart beat for love and fun.

Leave the sorrow, forget it,
Keep healthy mind, live fit.
Obey your duty very well,
Evils and negativity go to hell.

Way of your act may make you star,
Someone will follow you long far.
Step by step go ahead on the way,
Learn every time from your mistakes.

Keep yourself always healthy,
Your hard work can make you wealthy.
Work hard honestly leave the rest,
Make your life wish you all the best.

Created by-
Nemish Sharma (A.T.)
Composite U.P.S. Tehra
Mathura, Mathura

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01-01-2021

1277

दिन- शुक्रवार

नये साल की यादें

मिले प्यार वैभव, नया जोश आए,
तू रोते हुए हर दिलों को हँसाए।
खिले फूल खुशियों के, दिल मुस्कराए,
नए साल में तुम बहुत याद आए।।

इरादा हो पक्का, नहीं कोई गम है,
मेहनत करो तुम भुजाओं में दम है।
बने नेक दिल न, किसी को सताएँ,
नये साल में तुम बहुत याद आए।।

जीवन के पहलू में, सुख और दुख हैं,
कभी दुख थे आए जहाँ आज सुख हैं।
दुखियों के दुख में, खुशी बाँट जाए,
नए साल में तुम बहुत याद आए।।

सदा कर्म करना ही, हो धर्म अपना,
सच्चाई बनेगा कभी तेरा सपना।
दुनियाँ के लोगों से, तारीफ पाएँ,
नये साल में तुम बहुत याद आए।।

रचना
रेनू मित्तल (अनुदेशक)
पू. मा. वि. धौर्रा माफी
जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-01/01/2021 | 1278 | दिन- शुक्रवार

रोटी

जीवन जीने का रहस्य बताती,
संघर्ष करना सिखाती है रोटी।
सड़क पर मदारी को नचाती,
सर्कस का जोकर बनाती है रोटी।।

भाग-दौड़, उलट-फेर कराती,
चाकरी करना सिखाती है रोटी।
प्रभु का भजन न हो पाता है,
जब तक न पेट में जाती है रोटी।।

भूख लगती है जब किसी को,
तृप्ति उसे तब दे जाती है रोटी।
सारे रिश्ते-नाते निभाती,
परिवारों को जोड़ना सिखाती है रोटी।।

सहकार सहयोग को सिखाती,
स्नेह की अनुभूति कराती है रोटी।
भूख ही बना देती भिखारी है,
मानव का शीष झुकाती है रोटी।।

रचना

रश्मि शर्मा(स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद,सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01-01-2021

1279

दिन- शुक्रवार

नव वर्ष मंगलमय

नया साल है एक नया सबेरा,
लाए सबके जीवन में नया उजेरा।
हर कोई सदा खुशहाल रहें,
वृद्ध, युवा या कोई नौनिहाल रहें।।

हर कोई सदा अपनों के संग रहे,
चाहे जिन्दगी कितनी भी जंग रहे।
होठों पे सदा सबके मुस्कान रहे,
हर कोई की बस यही पहचान रहे।।

सारा विश्व बनकर एक परिवार रहे,
प्रेम-बन्धुत्व से सजकर घरबार रहे।
सबका सहयोग एक-दूजे के साथ रहे,
सबके सिर पर सदा ईश्वर का हाथ रहे।।

जन-जन में बढ़ता जाए खुशियाँ उमंग,
तन-मन में चढ़ता जाए बस प्रेम का रंग।
सुख-समृद्धि के आँचल में हो ये संसार सारा,
सबकी आँखों में बस जाए ये एहसास प्यारा।।

रचना

सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/01/2021

1280

दिन- गुरुवार

New Year

2020 year is going,
2021 will come.
It was a bad start,
But good were some.

On 1st January,
New year will start.
We will welcome it,
With all deep regards.

A new calendar begins,
Some will take resolution.
To start a new life,
And to find some solutions.

Beginning of a New Year,
Vary according to country.
We all remain healthy,
With this wish happen our entry.

Created by- Shweta (A.T.)
P. S. Sisana- 2
Baghpat, Baghpat

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि-दैनिक सृजन
दिनाँक- 01.01.2021
1281
दिन- शुक्रवार

•••• कितना अच्छा है बाग ••••

बाग में कोयल कू-कू करती
हरा-भरा है बाग।
लोग आयें, नाचे, गायें,
कहें कितना अच्छा है बाग।।

चिड़िया बोली कू-कू-कू,
कितना अच्छा है बाग।
भौरें भी फूलका रस चूसे,
कहें कितना अच्छा है बाग।।

पूरे बाग में शोर मचा,
कहें कितना अच्छा है बाग।
बाग में कोयल कू-कू करती,
कितना अच्छा है बाग।।

रचना-
काजल तिवारी (छात्रा) कक्षा- 8
यूपीएस, चित्रवार,
क्षेत्र- मऊ, जनपद- चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01/01/2021

1282

दिन- शुक्रवार

"मेरा स्कूल"

स्वच्छ और सुन्दर स्कूल,
मन को भाता है स्कूल।
वन उपवन में खिले हैं फूल
ऐसा भगवानपुर स्कूल।।
जग में सबसे न्यारा है,
मुझको लगता प्यारा है।
नित शिक्षा का दीप जलाती हूँ।।
अज्ञान अन्धेरा मिटाती हूँ।।
यहाँ के अध्यापक बहुत मेहनती,
मिलकर बच्चों को करते शिक्षित।
नित् शिक्षण योजना से पढ़ाएँ,
मिशन प्रेरणालक्ष्य को सफल बनायें।।

नित् नई इक कहानी सुनाएँ।
गतिविधियों के द्वारा पढ़ाएँ।।
बच्चों गर आगे बढ़ना है।
मन लगाकर पढ़ना है।।

स्वच्छ और सुन्दर स्कूल।
भगवानपुर मेरा स्कूल।।

रचना-

सुमन कुशवाहा (प्र०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
नेवादा, कौशांबी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.01.2021

1283

दिन- शुक्रवार

मंगलकारी हो नववर्ष

फिर से मिलने नहीं आते हैं,
वर्ष जो बीत जाते हैं।
ऐसे बीतकर यूँ चले जाओगे,
बस तुम तो अतीत बन जाओगे।।

एक वर्ष कम हुआ जीवन का,
कट गया वृक्ष नव उपवन का।
तुमने ही इस जीवन को गति दी,
नयी दिशा और नयी मति दी।।

तुमने कुछ नये पन्ने जोड़े हैं,
और जीवन के पथ मोड़े हैं।
कुछ जन रुष्ट हुए होंगे,
और कुछ मन मिलन हुए होंगे।।

सब जन अब हर्षित होंगे,
नव तरंग संग नव राग होंगे।
नव भावनाओं का होगा हर्ष,
मंगलकारी हो यह नववर्ष।।

रचना-
देवेश्वरी सेमवाल (स ०अ०)
रा० उ ०प्रा ०वि०कान्दी,
ब्लॉक- अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 01.01.2021

1284

दिन- शुक्रवार

स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा

हृदय-मण्डल को थाल बनाएँ,
आशाओं के दीप जलाएँ।
अरमानों के पुष्प सजाएँ,
स्वागत है नव वर्ष तुम्हारा।।

दो हजार बीस का विष हरो,
इक्कीस के ईश तत्व को वरो।
पुरातन वर्ष को विदा करो,
अभिनन्दन नव वर्ष तुम्हारा।।

आशाओं का हार बनाकर,
सकारात्मक संवेगों का प्रवाह कर।
नित नवीन विचार-श्रृंखला लेकर,
अर्चन है नव वर्ष तुम्हारा।।

आओ नित-प्रति नव आशा लिए,
जीवन में रस का प्याला लिए।
संग में सद्बुद्धि भंडार लिए,
सविनय आदर है नव वर्ष तुम्हारा।।

रचना-
श्रीमती ललिता जोशी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
मूनाकोट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 02-01-2021

1285

दिन- शनिवार

सर्दी

सर्दी आयी, सर्दी आयी,
मौसम मे बदलाव लायी।
कितना सुहाना मौसम लायी,
सर्दी सबके मन को भायी।।

गरम-गरम पानी से नहाना,
गरम-गरम पानी ही पीना।
ठण्ड से अगर तुमको है बचना ,
हल्दी वाला गरम दूध ही पीना।।

गयी तेज धूप और गर्मी,
मौसम मे आ गयी है नरमी।
निकले सबके स्वेटर, जर्सी,
देखो बच्चों आ गयी सर्दी।।

गरम-गरम कपड़े ही पहनना।
ठण्ड से ना तुम घबराना,
बच्चों सर्दी का आनन्द लेना,
सर्दी जुकाम को दूर भगाना।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

रचना- उर्मिला रानी (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रेसरा
ब्लॉक- चंडौस,अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/01/2021

1286

दिन- शनिवार

नववर्ष मंगलमय हो

2020 अब तुझे अलविदा,
2021 तेरा बहुत शुक्रिया।
तेरे आने से उम्मीद जगी है,
आने वाली अब शुभ घडी है।।

दूर से ही मिलना ज़रा,
ये दोस्तों ख्याल रखना।
अभी खतरा टला नहीं,
सावधानी पूरी रखना।।

नयी ऊर्जा, नयी शक्ति का,
हर तरफ ही संचार हो।
जियो और जीने दो जैसे,
हम सबके विचार हों।।

प्रकृति के सन्देश को हम,
अनदेखा बिलकुल न करें।
नये साल मे कुछ देना सीखें,
लेने की होड मन मे न रखें।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/01/2021

1287

दिन- शनिवार

काश चिरैय्या हम भी होते

काश चिरैय्या हम भी होते,
हरदम मौज मनाते होते।
जहाँ कहीं भी जाना होता,
पंख पसार तुरत उड़ जाते।।

अगर पेड़ पर ज़ाना होता,
तनिक देर में हम चढ़ जाते ।
अगर काटने आता कोई,
उनको हम फटकार भगाते ।।

करना होता बात चाँद से,
फोन मिला कर हम रम जाते ।
बात-बात में जिद कर देते ।
आप नहीं क्यों घर में आते?

मम्मी अगर मारने आती,
फुर्र-फुर्र कर हम उड़ जाते।
चिज्जी अगर टाँग कर रखती,
वहीं पहुँच कर खूब अघाते।।

देवेन्द्र कश्यप (स०अ०)
प्रा० वि० हरिहरपुर
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-02/01/2021

1288

दिन- शनिवार

नववर्ष

रश्मि रवि से निकल रही,
नभ में चिड़ियाँ चहक रहीं।
नव-प्रभात की बेला है,
डाली-डाली महक रही।।

नव-सृजन है प्रकृति का,
कितना मनोरम है दृश्य।
जन-जन के हृदय में देखो,
उम्मीदों का है नववर्ष।।

नवाचार से ओत-प्रोत,
शिक्षा में है नव-उत्कर्ष।
नव-तकनीकों का युग है,
नव-क्रांति का परिदृश्य।।

नवोदय के इस सागर में,
आओ हम सब तैरते जाएँ।
संस्कारों को कभी न भूलें,
जीवन सफल बनाते जाएँ।।

रचना-
प्रियंका सक्सेना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-01-2021

1289

दिन- शनिवार

नूतन वर्ष

नूतन वर्ष का नूतन सवेरा,
नव वर्ष हो खुशियों का बसेरा।
यादें, वायदे और सौगातें,
बिछड़े वर्ष की पुरानी बातें।।

कोशिश हो जिन्दगी में मुश्किलें हों कम,
बिसरा दें सारे दर्द और गम।
विस्मृत कर दें समस्त भयानक कल,
स्मृति में हो सिर्फ नूतन पल।।

नव वर्ष, नई सोच, नए अरमान,
सबके चेहरे पर रहे खुशियों की मुस्कान।
छा जाए बागों में फूलों की बहार,
मस्त होकर झूमे समस्त संसार।।

नई सोच, नई उमंग, नई खुशियाँ,
सुख, समृद्धि, वैभव से भरी दुनिया।
हृदय से करते है खुशियों की कामना,
नव वर्ष हो खुशियों की आराधना।।

रचना - अर्चना यादव (प्र०अ०)
संविलित प्रा० वि० विद्यालय परसू
सहार, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-02-01-2021

1290

दिन- शनिवार

नूतन वर्ष मंगलमय हो

नूतन वर्ष मंगलमय हो,
खुशी भरे सबके मन हों।
जन जीवन में सुख सुविधा हो,
सौभाग्य का पूर्ण उदय हो।।

पूर्ण होवे सबकी अभिलाषा,
दिखलायी न पड़े निराशा।
जगे विश्व में नया विश्वास,
बाधाओं पर प्राप्त विजय हो।।

पावे पुनीत लक्ष्य सब अपना,
होवे साकार सभी का सपना।
सभी प्राणी सुखी हों जग में,
सभी प्राणी निरोग हों जग में।।

सबके मन प्रफुल्लित हो जग में,
सबके मन प्रफुल्लित हो जग में।
विधाता ऐसा वर दो सबको,
अपनी छाया दे दो सबको।।

रचना-
डॉ० आशा बिष्ट (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० धुलई
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/01/2021

1291

दिन- शनिवार

नया वर्ष

कुछ खट्टी, कुछ मीठी यादों को लेकर,
चल दिया दिसम्बर एक वर्ष कम कर।
आया है 2021 नई उम्मीद लेकर,
खुशियों की हर घड़ी को संग लेकर।।

भूल जाओ उन बुरे पलों को तुम,
जिसने हर एक को रुलाया, सताया।
सबको भयावह रोग से डराया,
अपनों को अपनों से बनाया पराया।।

भूल जाओं उन पुराने क्षणों को,
नए साल के स्वागत में उठ जाओ।
फिर से नई खुशी का हो आगमन,
नए त्योहारों से प्रफुल्लित हो जीवन।।

वह बुरा समय अब बीत जाए,
नया साल खुशियाँ ही खुशियाँ लाए।
मिले सब जन एक नयी आशा लिए,
नया साल आए नयी खुशियाँ लिए।।

रचना- हेमलता बहुगुणा
(प्र.अ.)
रा.उ.प्रा. वि. सुरसिंगधार
चम्बा, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021

1292

दिन- सोमवार

फल और सब्जियाँ

हरी-भरी हैं, खूब रसीली,
लाल-हरी हैं, पीली-पीली।
रोज सभी हम देखो खाते,
सब्जी और सलाद बनाते।।

खट्टा-मीठा, लाल-टमाटर,
प्यारी लगती मीठी गाजर।
गोभी, आलू, मटर भी खाते,
बाजार से पापा लेकर आते।।

फल केला, अमरूद, पपीता,
जामुन, बेर, आम भी मीठा।
सेब, सन्तरा, लीची, अंगूर,
भरा विटामिन, मधुर खजूर।।

मौसम के फल तुम सब खाओ,
भोजन में हर सब्जी खाओ।
प्रतिरोधी क्षमता हम पाते,
अगर इन्हें हम सब हैं खाते।।

रचना
सतीश चन्द्र (इं०प्र०अ०)
कम्पोजिट वि० अकबापुर
पहला, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक 04/01/2021

1293

दिन- सोमवार

नव वर्ष

अलविदा बीते हुए वर्ष,
नया साल, नयी उमंग, नया हर्ष।
अलविदा बीते हुए ग़मगीन पल,
नये साल में उम्मीद हो मुक़म्मल।।
भूल जाएँ सब रंजो ग़म, तकलीफ़,
नये साल में रब दे नयी तौसीफ़।
पूरे हों इस साल अधूरे काम,
ज़िन्दगी को मिले खुशियों का इनाम।।
चाहता है जो दिल मिले वो सब,
मेहरबान हो सभी पर वो रब।
तोहफ़ा बने हर किसी की ज़िन्दगी,
दूर हो हर नज़र से मायूसी-बेरुखी।।
अब अँधेरा मिट चला,
नयी रौशनी का है पता चला।
बीते ये साल हर पल खुशियों में,
न दिखे आँसू किसी की अँखियों में।।

रूखसाना बानो(स०अ०)
उ० प्रा० वि० अहरौरा
जमालापुर, मिर्ज़ापुर

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021

1294

दिन- सोमवार

परी

परी रानी, परी रानी,
आसमान की परी रानी।
रंग-बिरंगी परी रानी,
फूलों में लहराती परी रानी।।

परी रानी, परी रानी,
आसमान की परी रानी।
रंग-बिरंगी परी रानी,
फूलों में लहराती परी रानी।।

प्यारी-प्यारी परी रानी,
सुंदर कोमल परी रानी।
परी रानी, परी रानी,
परी रानी, परी रानी।।

रंग-बिरंगे पंखों वाली,
पंख फैलाकर उड़ने वाली।।
खुशियों से नाचने वाली,
परी रानी, परी रानी।।

रचना

अभय (छात्र)
कक्षा- 5
प्रा०वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चन्दौली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021

1295

दिन- सोमवार

नववर्ष की बेला

नववर्ष की बेला है,
मगर दिल पर गहरे निशान हैं।
कल तक जश्न मनाते थे बच्चे,
वही राह अब सुनसान हैं।।

गत वर्ष जैसे दिन कभी,
हे ईश! अब देना नहीं।
मीन ज्यों पानी बिना,
स्कूल में बच्चों बिना बैठे यहीं।।

याद आती ही रही,
घण्टियों की गूँज संग।
बच्चों की खुशियों की वो भोर,
नव वर्ष से बँधी है उम्मीद की डोर।

मन में है पूर्ण विश्वास कि अब,
तम हटेगा, छायेगा उजियारा।
हर तरफ फिर गूँजेगा शोर,
हर जगह बच्चों की हँसी का फुहारा।।

रचना
सचिन सक्सेना (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सिंगरोरा
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक-04-01-2021

1296

दिन- सोमवार

नववर्ष आया

नववर्ष का नवप्रभात,
नूतन किरणें नवप्रकाश।
नई उमंगे नव उल्लास,
नयी कोंपलें नव सुभाष।।

नव प्रकृति नवल विज्ञान,
नव इतिहास नवल बखान।
नव धाराएं नवल प्रतान,
नव गाथाएं नवल गान।।

नव ज्योति का नवल ध्यान,
नई मुश्किलें नवल समाधान।
नव विहग का नवल जहान,
नई किताबें नवल ज्ञान।।

नए जगत में है इंसान,
बनाए रखो अपना ईमान।
तभी मिले तुम्हें सम्मान,
कर लो तुम ईश्वर का ध्यान।

रचना- कविता गुप्ता (स०अ०)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
बिसाहुली
इगलास, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021 | 1297 | दिन- सोमवार

भिक्षावृत्ति

भिक्षावृत्ति पाप है,
यह तो अभिशाप है।
बात है मान की,
अपने सम्मान की।।

मेहनत के पैसों से,
सुख चैन की नींद आएगी।
भिक्षा के पैसों से जरूरत,
पूरी नहीं हो पाएगी।।

मान और सम्मान से,
सर उठाकर चल पाओगे।
जब किसी के सामने,
हाथ नहीं फैलाओगे।।

आओ हम सब मिलकर,
यह अभियान चलाते हैं।
भिक्षावृत्ति दूर हो ऐसा,
कुछ कर दिखलाते हैं।।

रचना- रीना रानी (स०अ०)
प्रा० वि० सरूरपुर कला- 2
बागपत, बागपत

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021

1298

दिन- सोमवार

पसन्द

ना ऐश्वर्य से,
ना आराम से।
मुझे तो मतलब है,
सिर्फ अपने काम से।।

ना दुनिया से,
ना दारी से।
मुझे तो पसंद हैं,
सिर्फ समझदारी।।

ना सुख से,
ना दुख से।
मुझे तो मतलब है,
बस सबके हित से।।

ना मान से,
ना शान से।
मुझे तो पसंद है,
सबका सम्मान।।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04.01.2021

1299

दिन- सोमवार

स्वागत है नववर्ष

खट्टी-मीठी यादों को देकर,
पुराना साल चला गया।
नये-नवेले सपनों को लेकर,
नया साल आ गया।।

पुरानी यादों की कड़ियों को,
आगे जोड़ते जाएँ।
नयी आशा और उमंगों के,
दीप जलाते जाएँ।।

आओ प्यारे! तुम भी आओ,
मेरे सपनों की गलियों में खो जाओ।
होगा जरूर नई उमंगों का सवेरा,
होगा झिलमिल चाँद सितारों का डेरा।।

नए साल के स्वागत को,
हम हैं कब से खड़े।
पर फिर भी भर कर रखेंगे,
पुरानी यादों के घड़े।।

मधुमती शाम को रंगीन बनाते जाएँ,
नित नये सपनों को सँजोते जाएँ।
जिस वक्त कोई नहीं देगा साथ,
उस वक्त होंगी ये यादें मेरे साथ।।

रचना-
लक्ष्मी नेगी (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० खुरड़
अगस्त्यमुनि (रुद्रप्रयाग)

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि-दैनिक सृजन

दिनाँक- 04/01/2021

1300

दिन- सोमवार

नया साल 2021

गुज़रे वक़्त में सहमे थे हम रहा था बुरा हाल,
नयी खुशियाँ अब लाएगा नया-नया ये साल।
ख़्वाब ना ख़याल रहे दिलों भ्रम ना मायाजाल,
तंगहाल से रहे जो अब वो होंगे मालामाल।।

कुछ सर्द से इस मौसम में रुके-रुके थे पल,
नयी सुबह से अब आएगा अपना सुनहरा कल।
चाँद-सितारे, इन्द्रधनुष और रंगों का आँचल,
फूलों की बरसात सी होगी और काँटे ओझल।।

नई सी जब महफ़िल छायेंगी इन ग़म की यादें लाएँगी,
दर्द के इक साए के बाद पल भर में ख़ुशियाँ आएँगी।
कुछ दिल को तरसायेंगी पर तक़दीरें जब ये चाहेंगी,
बिखरी कलियाँ खिल जाएँगी खोयी राहें मिल जाएँगी।।

नये साल के स्वागत में हम बैठे हैं तैयार,
तुम क्या जानो दिल थामकर किया है इन्तज़ार।
2021 तुम्हारे लिए दिल में भर के प्यार,
स्वागत करते हैं तुम्हारा लेकर फूलों का हार।।

रचना- नर्वदा कौशल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० नाकोट जुआ
थौलधार, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

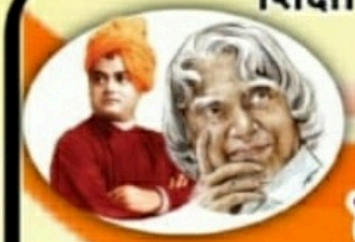

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभारः

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429